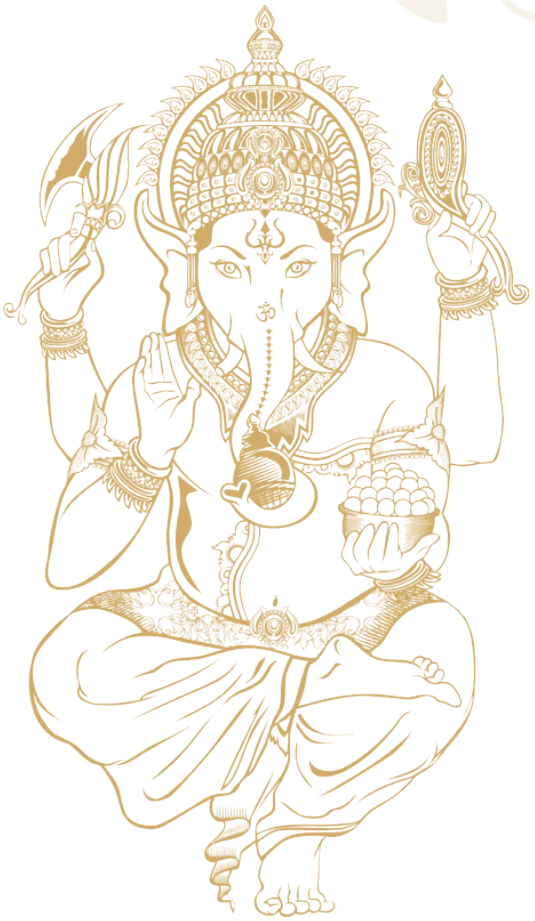

Kajal

18 Dec 1992

07:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121812304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/12/1992**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	59:40:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:48 घंटे
साम्पातिक काल	12:26:32 घंटे
सूर्योदय	07:07:48 घंटे
सूर्यास्त	17:26:58 घंटे
दिनमान	10:19:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:37:13 धनु
लग्न के अंश	29:50:37 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	29:50:37	322:38:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
सूर्य			धनु	02:37:13	01:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	19:03:14	13:56:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल	व		कर्क	01:19:42	00:15:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध			वृश्चि	13:32:19	01:21:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	18:17:43	00:07:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	17:05:11	01:09:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मक	21:12:15	00:05:33	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु			वृश्चि	27:44:06	00:00:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			वृष	27:44:06	00:00:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	23:05:45	00:03:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:04:43	00:02:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:22:53	00:02:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	13:27:59	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:48

लग्न-चलित

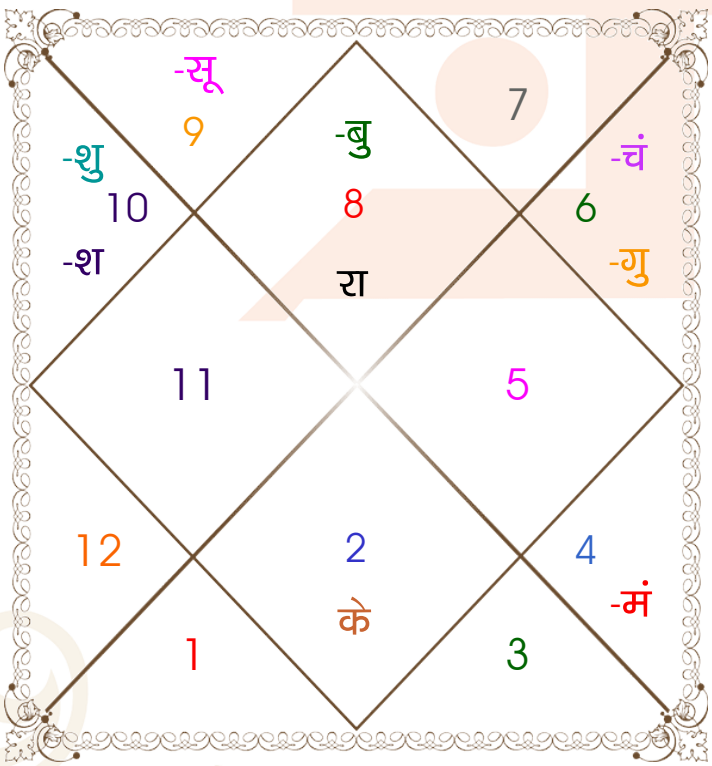

चन्द्र कुंडली

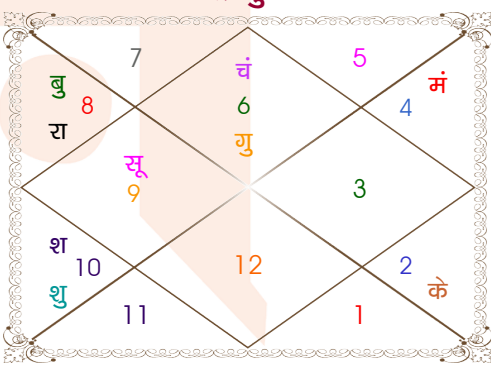

नवमांश कुंडली

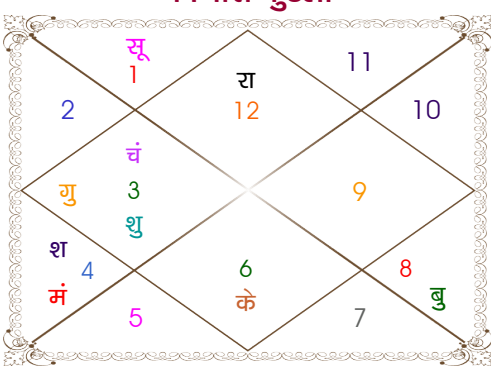

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 2 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/12/1992		04/03/1996		05/03/2003		04/03/2021		04/03/2037	
04/03/1996		05/03/2003		04/03/2021		04/03/2037		04/03/2056	
	00/00/0000	मंगल	31/07/1996	राहु	15/11/2005	गुरु	23/04/2023	शनि	07/03/2040
	00/00/0000	राहु	19/08/1997	गुरु	10/04/2008	शनि	03/11/2025	बुध	15/11/2042
	00/00/0000	गुरु	26/07/1998	शनि	15/02/2011	बुध	09/02/2028	केतु	25/12/2043
	00/00/0000	शनि	04/09/1999	बुध	03/09/2013	केतु	15/01/2029	शुक्र	24/02/2047
	18/12/1992	बुध	31/08/2000	केतु	22/09/2014	शुक्र	16/09/2031	सूर्य	06/02/2048
बुध	04/06/1993	केतु	27/01/2001	शुक्र	21/09/2017	सूर्य	04/07/2032	चंद्र	06/09/2049
केतु	03/01/1994	शुक्र	29/03/2002	सूर्य	16/08/2018	चंद्र	03/11/2033	मंगल	16/10/2050
शुक्र	04/09/1995	सूर्य	04/08/2002	चंद्र	15/02/2020	मंगल	10/10/2034	राहु	22/08/2053
सूर्य	04/03/1996	चंद्र	05/03/2003	मंगल	04/03/2021	राहु	04/03/2037	गुरु	04/03/2056

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/03/2056		04/03/2073		04/03/2080		05/03/2100		06/03/2106	
04/03/2073		04/03/2080		05/03/2100		06/03/2106		00/00/0000	
बुध	01/08/2058	केतु	01/08/2073	शुक्र	05/07/2083	सूर्य	23/06/2100	चंद्र	04/01/2107
केतु	29/07/2059	शुक्र	01/10/2074	सूर्य	04/07/2084	चंद्र	22/12/2100	मंगल	05/08/2107
शुक्र	29/05/2062	सूर्य	05/02/2075	चंद्र	05/03/2086	मंगल	29/04/2101	राहु	03/02/2109
सूर्य	04/04/2063	चंद्र	07/09/2075	मंगल	05/05/2087	राहु	24/03/2102	गुरु	05/06/2110
चंद्र	03/09/2064	मंगल	03/02/2076	राहु	05/05/2090	गुरु	10/01/2103	शनि	04/01/2112
मंगल	31/08/2065	राहु	20/02/2077	गुरु	03/01/2093	शनि	23/12/2103	बुध	19/12/2112
राहु	19/03/2068	गुरु	27/01/2078	शनि	04/03/2096	बुध	29/10/2104		00/00/0000
गुरु	25/06/2070	शनि	08/03/2079	बुध	03/01/2099	केतु	05/03/2105		00/00/0000
शनि	04/03/2073	बुध	04/03/2080	केतु	05/03/2100	शुक्र	06/03/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 2 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करती है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करती हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपनी साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करती आई हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्षय पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीती आई हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगी।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल पुरुष को बहुत पसंद करती हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपका प्रेमी बहुत अच्छा तो नहीं है परंतु बड़ा मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहती हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमी की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आपने जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगी। आप अपने जीवन संगी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकती हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकती हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकती हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।